भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला रिपोर्ट

04 अगस्त 2026

भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति पाने के लिये प्रतिवर्ष अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हिन्दी के प्रयोग में कर्मचारियों की रूचि बढ़ाने हेतु इस तिमाही के दौरान हिन्दी कार्यशाला को नए तरीके से आयोजित करने का विचार किया गया। इस विचार को साकार करने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत आने वाले दो संगठनों नामक भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर के द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 04 अगस्त 2026 को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर में किया गया इसमें दोनों संगठनों से 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में “राजभाषा में प्रशासनिक शब्दों का प्रयोग” एवं राजभाषा कार्यान्वयन पर अंतर-संगठनात्मक आदान-प्रदान कार्यक्रम” अर्थात राजभाषा कार्यान्वयन हेतु दोनों संगठनों में किए गए महत्वपूर्ण कार्य पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रार्थना एवं दीपा प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सर्वप्रथम डॉ.एस.एस.हमीद, वैज्ञानिक एफ एवं कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर ने सभा में उपस्थित अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का स्वागत किया और कहा कि राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए इस तरह के संयुक्त कार्यशाला का आयोजन करने से दोनों संगठनों के कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी और हिन्दी के प्रयोग में नए कदम उठाने का प्रयास करेंगे।

विशेषज्ञ श्री बी.कावेट्टीरंगन, सहायक निदेशक-राजभाषा(सेवानिवृत्त) के द्वारा "राजभाषा में प्रशासनिक शब्दों के प्रयोग" पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भाषा एक ऐसा माध्यम है जो इस देश के सभी मनुष्य को आपस में जोड़ती है। भारत के अनेक भाषाएं होने के कारण सभी को एक सूत्र में लाने के लिए एक भाषा की आवश्यकता पड़ी। इसलिए सरकार ने भारत में अधिक बोली जाने वाली हिन्दी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया। कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राजभाषा में प्रशासनिक शब्दों के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। ई-फाइलों एवं ई-ऑफिस में टिप्पणी लेखन के दौरान सरल तरीके से हिन्दी का प्रयोग कैसे करें इस विषय पर भी विस्तार से समझाया गया।

इसके बाद भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर में राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई और इस तरह के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सुझाव भी दिये गए। इस संयुक्त कार्यशाला के आयोजन से सभी प्रतिभागीगण लाभान्वित हुए। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि ली गई। कुछ कर्मचारियों ने अपनी फीडबेक सभी के समक्ष व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इसके उपरांत श्रीमती आर.जी.अनिता, तकनीकी अधिकारी ने भा.वा.अ.शि.प-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर के तरफ से मुख्य अथिति और कार्यालय प्रमुख एवं पदनामित राजभाषा अधिकारी, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबत्तूर को मेमेंटो भेंट किया।

डॉ.एम.पलनिसामी, वैज्ञानिक ई एवं पदनामित राजभाषा अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव किया और अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला के कुछ चित्र